

उपचार:

सेरेब्रल पाल्सी में बच्चों का पूर्ण रोगमुक्त होना सम्भव नहीं है परन्तु बच्चों के ज्यादातर लक्षणों का उपचार सम्भव है। यह निम्न विधियों से किया जा सकता है

1. **फिजियोथेरेपी (मुख्य इलाज) :-** इस थेरेपी मांसपेशियों में ताकत में सुधार किया जाता है। जोड़ों को गति देकर चलना व संतुलन करना सिखाया जाता है।
2. **ऑक्युपेशनल थेरेपी :-** दैनिक कार्य व लेखन का प्रशिक्षण दिया जाता है, सेरेब्रल पाल्सी की अवस्थानुसार बिना खतरे वाले व्यावसायिक कार्य सिखाना, जैसे- टाईपिंग आदि।
3. **स्पीच थेरेपी :-** बोलने सम्बन्धी समस्याओं का अभ्यास
4. **आँखों में भर्गोपन का उपचार**
5. **दवाईयाँ:-** मांसपेशियों के तनाव / जकड़न को नियन्त्रित कर सकती है।

अन्य विशेषज्ञों की आवश्यकता :

सेरेब्रल पाल्सी शरीर के विभिन्न अंगों को प्रभावित करती है इसलिये इनका इलाज भी विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा इलाज कराने की आवश्यकता पड़ सकती है। जैसे:-

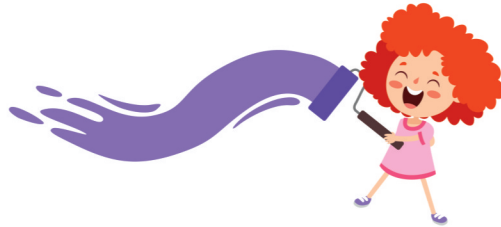
- **बाल रोग विशेषज्ञ :-** बचपन की सामान्य बीमारियों व टीकाकरण के लिये।
- **बाल हड्डी रोग विशेषज्ञ :-** हड्डियों व जोड़ों की समस्याओं के लिये।
- **बाल दन्त रोग विशेषज्ञ :-** मुख स्वास्थ्य ठीक बनाये रखने व दाँतों की समस्याओं के लिये।
- **शिशु पेट व आँत रोग विशेषज्ञ :-** कब्ज के लिये व PEG (पी.ई.जी.) ट्यूब की जानकारी हेतु।
- **बाल मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ :-** मांसपेशियों में अधिक तनाव व मिर्गी के दौरों के इलाज के लिये।

अन्य महत्वपूर्ण बातें:

- सेरेब्रल पाल्सी में माता-पिता को ध्यान देना है कि छोटी उम्र से ही फिजियोथेरेपी शुरू कर देनी चाहिए।
- ऐसे बच्चों को अक्षम न माने एवं सामाजिक कार्यों में सम्मिलित करें।
- मानसिक स्वास्थ्य के लिये भी समय-समय पर परामर्श करना चाहिए।

अन्य सहायताथ

- Indian Cerebral Palsy Association: www.cerebralpalsyindia.com
- Scope, UK: www.scope.org.uk
- Cerebralpalsyguide.com
- pedneuroalims.org



**JAIPUR
CHILD
NEURO
CARE**

सेरेब्रल पाल्सी (Cerebral Palsy)

सूचना पत्र



DR. VIVEK JAIN
Child Neurologist and Epileptologist
MD(PGI, Chandigarh), FRCPCH(UK)
CCT(UK) child Neurology

✉ www.jaipurchildneuro.com

🌐 vivekchildneuro@gmail.com

Appointment / Helpline No:

08529222600

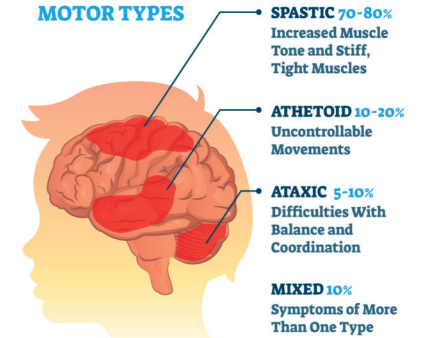
यह एक ऐसी अवस्था है जिसमें शिशु के जन्म से पूर्व, जन्म के दौरान अथवा जन्म के बाद जब शिशु के मस्तिष्क का विकास हो रहा होता है, उस समय मस्तिष्क को आघात पहुँचता है।

किन्तु जरूरी बात यह है कि इस बिमारी में बढ़ती उम्र के साथ सुधार होने की सम्भावना भी रहती है।

प्रकार :- मुख्यतया तीन प्रकार की होती है :

1. **स्पासटिक:-** यह सबसे अधिक होने वाली सेरेब्रल पाल्सी (सी.पी) है जिसमें मांसपेशियों में ज्यादा तनाव (Tone) होने के कारण बच्चों को चलने में कठिनाई होती है।
2. **एथेटॉइड:-** इस प्रकार की सी.पी में चेहरे और हाथ पैर की अंगुलियों अवांछित गति में घुमती है।
3. **मिश्रित (Mixed):-** इसमें अन्य प्रकार की सेरेब्रल पाल्सी के लक्षणों का मिश्रण होता है।

MOTOR TYPES



कारण :

1. समय पूर्व जन्म 32 सप्ताह से पूर्व
2. शिशु का जन्म के समय सही ढंग से नहीं रोना अथवा देर से रोना, जिससे दिमाग में ऑक्सीजन की मात्रा कम होना।
3. जन्म के बाद स्वस्थ शिशु में ब्लड शुगर कम होना खासकर फीडिंग देर से या कम होने के कारण।
4. जन्म पश्चात् गहरा पीलिया होना।
5. जन्म के बाद शिशु को मस्तिष्क ज्वर अथवा मस्तिष्क में लकवा होना।

अभी तक इस अवस्था से बचने का कोई उपाय नहीं है, फिर भी निम्न बातों का ध्यान रखकर इस बीमारी के होने के अवसर को कम किया जा सकता है :

1. प्रसव अस्पताल में ही कराये जहाँ शिशु के उपचार के समस्त साधन उपलब्ध हो।
2. जन्म पश्चात् यदि शिशु फीड नहीं ले रहा है या माँ के स्तनों पर ढंग से नहीं लग पा रहा है तो उसकी ब्लड शुगर की जाँच करवानी चाहिए।
3. यदि नवजात शिशु को गहरा पीलिया हो रहा है तो इस सम्बन्ध में शिशुरोग चिकित्सक से तुरन्त परामर्श लें।

सामान्य लक्षण:

सेरेब्रल पाल्सी (सी.पी) में अधिकतर बच्चों को चलने में दिक्कत आती है। ऐसे बच्चों में विकास धीमी गति व जब देरी से होता है। यदि आयु अनुसार निम्न विकास नहीं होता है तो उसकी जाँच करायें:

लगभग 06 माह पर:-

- शिशु माँ को देखकर नहीं हँसता।
- जब शिशु को उठाया जाता है तो मुश्किल से अपना सिर संभाल पाता है।
- वह खिलौने को एक हाथ से पकड़ता है व दुसरे हाथ की मुट्टी बना लेता है।
- शिशु को उठाने पर पैर जकड़ जाते हैं तथा टांगों को कंची की तरह एक दुसरे पर रख लेता है।



लगभग 12 माह पर:

- ढंग से बैठ नहीं पाता।
- रंग (crawl) नहीं सकता यदि रेंगता भी है तो एक हाथ व पैर को आगे बढ़ाता है। तथा दुसरी तरफ के हाथ-पैर घसीटता है।
- किसी एक हाथ का ज्यादा उपयोग करता है (दो वर्ष की आयु के पहले)।

लगभग 18 माह पर:

- ढंग से बैठ नहीं पाता बच्चे के हाथों व पैरों में जकड़न होती है।
- स्वयं अकेला नहीं चल सकता।

लगभग 24 माह पर:

- बोलता नहीं है, यहाँ तक की एक शब्द भी।
- टांगें कैची के तरह क्रोस रखता है।
- खिलानों में दिलचस्पी नहीं लेता व उन्हें फेंकता है।

साथ में अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ :

खाने सम्बन्धी:-

अधिकतर ऐसे बच्चों खाने को चबाने व निगलने में धीरे होते हैं। यहाँ तक कि लार को गटकने में भी मुश्किल होती है जिससे लार मुँह से बाहर बार-बार निकलती रहती है।

कब्ज रहना:-

खाना चबाने में समस्या व कम मात्रा में खाने से मल अधिकतर कठोर हो जाता है।

वजन कम बढ़ना:-

ऐसे बच्चों साधारण बच्चों की तरह सही ढंग से व सही मात्रा में खाना नहीं खा सकते जिससे वजन कम बढ़ता है। ऐसी अवस्था में बच्चों को कभी-कभी खाना PEG (पी.ई.जी.) नली से दिया जाना चाहिये। यह खाना खिलाने का एक सही व आसान तरीका है।

मुख स्वास्थ्य:-

ऐसे बच्चों अधिकतर मीठे व तरल पदार्थों पर रहते हैं इस लिये इनके दाँतों में केविटी (छेद) की सम्भावना रहती है अतः बच्चों के दन्तरोग चिकित्सक से निरन्तर परामर्श लेना चाहिए।

मिर्गी :-

कुछ बच्चों में मिर्गी के दौरे आ सकते हैं, खासकर 4-9 माह के दौरान ये दौरे इन्फेन्टाइल स्पाजन के रूप में आते हैं जिसमें सिर आगे की तरफ झुक जाता है ये दौरे ज्यादातर नींद से जागने के बाद आते हैं। यदि ऐसा है तो बाल मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ से तुरन्त परामर्श लें।

कुल्हे की हड्डी उतरना :-

मांसपेशियों में अधिक तनाव के कारण ऐसा होता है। अतः 18 माह की उम्र के बाद बच्चों के हड्डी विशेषज्ञ से हर 6 माह में मिलना चाहिये। जरूरत पड़ने पर कुल्हे का एक्स-रे करवा कर हड्डी उतरने की स्थिति को पकड़ सकते हैं।

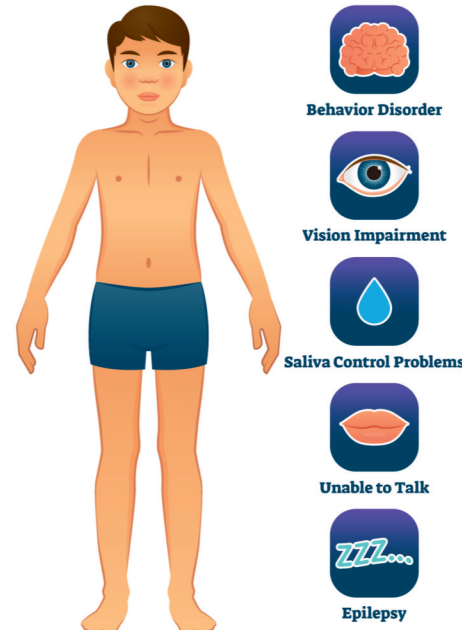
सीने में संक्रमण:-

मुँह की मांसपेशियों के सही काम नहीं करने की स्थिति में फेंफड़ों में निमोनिया हो सकता है।

विटामिन 'डी' का अभाव:-

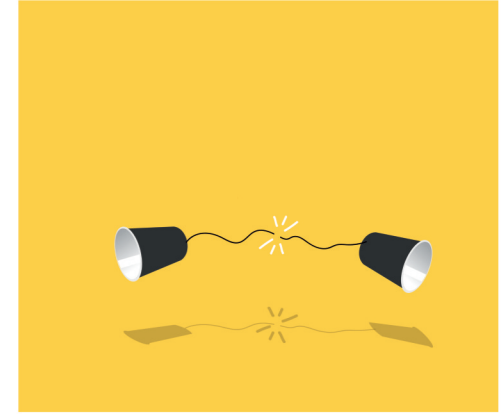
ऐसे बच्चों में ज्यादा सम्भावना रहती है इसकी पूर्ति के लिये बालरोग चिकित्सक की सलाह पर हर वर्ष इन बच्चों को विटामिन 'डी' की खुराक दी जानी चाहिये।

ASSOCIATED IMPAIRMENTS



सामान्य भ्रान्तियाँ:-

- ♦ जिन बच्चों में सेरेब्रल पाल्सी है वे बुद्धिमान नहीं होते।
अधिकतर सामान्य कामों में कोई बाधा नहीं होती। साधारण बुद्धिमता हो सकती है।
- ♦ क्या यह एक दुसरे से फैलती है।
नहीं। यह बीमारी मस्तिष्क आघात से होती है।



- ♦ सेरेब्रल पाल्सी में कम जीने की सम्भावना।
इस बात पर निर्भर करती है कि इस अवस्था में बच्चे का किस प्रकार का ध्यान रखा गया है। हर बच्चे में लक्षण अलग अलग होते हैं अतः उनकी गम्भीरता पर निर्भर करता है।
- ♦ ऑक्सीजन थेरेपी की भूमिका:-
यह थेरेपी मृत कोशिकाओं को पुर्नजीवित नहीं कर सकती। वैसे भी विभिन्न केन्द्रों पर ऑक्सीजन अलग-अलग दबाव पर दी जाती है, जिससे नुकसान हो सकता है।
- ♦ स्टैम सैल थेरेपी:-
इस सम्बन्ध में अध्ययन अभी शुरूआती दौर में है। वर्तमान में यह थेरेपी देना स्वीकृत नहीं है।
- ♦ झाड़-फूक से इस बीमारी में कोई लाभ नहीं होता इसलिये उनसे बचना चाहिए।